इकाई - III Date :- 15.05.2020

Topic :- भाषा सीखना : वाइगोत्स्की

Ans :- भाषा सीखने की प्रक्रिया में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए वाइगोत्स्की का मानना है कि बच्चे अपने समुदाय के संपर्क में आकर भाषा सीखते हैं। वाइगोत्स्की के अनुसार, बच्चों की भाषा समाज के साथ संपर्क का ही परिणाम है, साथ ही बच्चा अपनी भाषा के विकास के दौरान दो तरह की बोली बोलता है; पहली आत्मकेंद्रित और दूसरी सामाजिक / आत्मोन्मुख भाषा के माध्यम से वह खुद से संवाद करता है, जबकि सामाजिक भाषा के माध्यम से वह शेष बाकी दुनिया से संवाद स्थापित करता है।

इसका अर्थ यह है कि भाषा की ध्वनियों की सार्थकता तभी है जब वह किसी वस्तु विशेष की ओर संकेत करती है। उदाहरण के लिए 'जाल' शब्द का अर्थ बच्चा अपने समाज से ग्रहण करता है। किसी भाषा समुदाय में यह मकड़ी का जाल है तो किसी अन्य समुदाय में यह "मछली पकड़ने वाले जाल" है। इनके अतिरिक्त "जाल" का एक अन्य अर्थ वह है जो अकसर पुराने घरों में पहले या दूसरे तल पर बनाया जाता था और जो लोहे का होता था। एक ध्वनि समूह "जाल" को अलग-अलग अर्थ देने वाले अलग-अलग भाषा-समाज / समुदाय हैं। यही कारण है कि एक ही चीज अलग-अलग भाषा समुदायों में अलग-अलग ध्वनि-समूहों के माध्यम से अभिव्यक्ति की जाती है।

इतना ही नहीं अनेक बार शब्दों-वाक्यों का प्रयोग भी समाज द्वारा नियंत्रित होती है यानि समाज-भाषा प्रयोग को नियंत्रित करता है। इसे इस प्रकार की समझ सकते हैं कि प्रत्येक समाज की अपनी भिन्न संस्कृति होती है और भाषा किसी भी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा होती है। भाषा को समाज से काटकर न तो देखा जा सकता है और न ही उसे समझा जा सकता है। एक संस्कृति में "Dear father" स्वीकार्य है तो वहीं दूसरी ओर आदरणीय पिताजी / बाबू जी ही स्वीकार्य है। बच्चा अपने अपने समाज में इन विविध भाषा-प्रयोग को सुनता-समझता है और यह तय करता है कि उसे किस स्थिति में किस तरह की भाषा का प्रयोग करना होगा।

P.T.O

Scanned with CamScan